Economics, UG Sem III, Paper - CC-V . Important Question

(1) राष्ट्रीय आय क्या है? इसकी कौन-कौन सी धारणाएँ हैं?

National Income

(1) किसी भी देश का आर्थिक विकास उसकी राष्ट्रीय आय पर निर्भर करती है साधारण शब्दों में, किसी देश में एक वर्ष में जितना उत्पादन होता है चाहे भौतिक पदार्थ का हो और चाहे सेवाओं का, वही उस देश की आय है।

राष्ट्रीय आय की मुख्यतः तीन परिभाषाएँ दी जाती हैं -

(i) मार्शल की परिभाषा (Definition of Marshall)
(ii) पीगू की परिभाषा (Definition of Pigou)
(iii) फिशर की परिभाषा (Definition of Fisher)

(1) मार्शल की परिभाषा - मार्शल के अनुसार, "किसी देश का श्रम एवं पूँजी उसके प्राकृतिक साधनों पर क्रियाशील होकर प्रति वर्ष भौतिक एवं अभौतिक वस्तुओं का एक समूह उत्पन्न करते हैं जिसमें सभी प्रकार की सेवाएँ सम्मिलित रहती हैं। यह देश की वास्तविक विशुद्ध वार्षिक आय या राष्ट्रीय लाभांश है।"

इस प्रकार मार्शल के अनुसार, राष्ट्रीय आय के अन्तर्गत हम उन सभी वस्तुओं और सेवाओं को लेते हैं जिनका उत्पादन एक साल के अन्तर्गत पूँजी एवं श्रम, प्राकृतिक साधनों के सहयोग से करते हैं लेकिन राष्ट्रीय आय के अन्तर्गत कुल उत्पादन को न रखकर केवल शुद्ध उत्पादन को रखा जाता है।

(2) पीगू की परिभाषा - प्रो॰ पीगू के अनुसार, "राष्ट्रीय लाभांश किसी समाज की वस्तुनिष्ठ अथवा भौतिक आय का वह भाग है जिसमें विदेशों से प्राप्त आय भी सम्मिलित होती है जिसकी मुद्रा के रुप में माप हो सकती है।"

इस प्रकार प्रो॰ पीगू ने राष्ट्रीय आय के अन्तर्गत को केवल उन्हीं वस्तुओं और सेवाओं को लिया है, जिसकी माप मुद्रा के रुप में की जा सकती है। जिन वस्तुओं तथा सेवाओं की माप मुद्रा के रुप में नहीं हो सकती उन्हें राष्ट्रीय आय में सम्मिलित नहीं किया जाता।

Scanned with CamScanner

(iv) फिशर की परिभाषा :- फिशर के अनुसार, "वास्तविक राष्ट्रीय आय वास्तविक शुद्ध उत्पादन का वह भाग है जिसका उस वर्ष के अन्तर्गत प्रत्यक्ष रूप से उपभोग किया जाता है।"

इस प्रकार प्रो० फिशर ने वार्षिक उपभोग को राष्ट्रीय आय का साधक माना है।

Concept of National Income (राष्ट्रीय आय की धारणाएँ)

राष्ट्रीय आय के विशेषज्ञों ने अर्थव्यवस्था की समस्त आय के संबंध में 6: मुख्य धारणाएँ प्रस्तुत की है, जो इस प्रकार हैं -

(1) सकल राष्ट्रीय उत्पाद (Gross National Product, i.e. GNP)
(2) निवल राष्ट्रीय उत्पाद (Net National Product, i.e. NNP)
(3) राष्ट्रीय आय (National Income, i.e. NI)
(4) वैयक्तिक आय (Personal Income, i.e. PI)
(5) उपभोग्य आय (Disposable Income, i.e. DI)
(6) कुल घरेलू उत्पाद (Gross Domestic Product, i.e. GDP)

(1) Gross National Product (GNP) :- किसी देश में एक साल के अन्तर्गत जितनी वस्तुओं तथा सेवाओं का उत्पादन होता है, उनके मौद्रिक मूल्य को कुल राष्ट्रीय उत्पादन (Gross National Product) कहते है। कुल राष्ट्रीय उत्पादन का पता लगाने के लिए कुल घरेलू उत्पादन (GDP) में देशवासियों द्वारा विदेशों में उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं के मूल्य को जोड़ दिया जाता है तथा विदेशियों द्वारा देश में उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं के मूल्य को घटा दिया जाता है। इस प्रकार,

GNP = GDP + देशवासियों द्वारा विदेशों में अर्जित आय - विदेशियों द्वारा देश में अर्जित आय।

Scanned with CamScanner

(2) Net National Product (NNP) :- कुल राष्ट्रीय उत्पादन को प्राप्त करने के लिए कुछ खर्च करना पड़ता है। अतः कुल राष्ट्रीय उत्पादन (GNP) में से इन खर्चों को घटा देने से जो शेष बचता है, वह शुद्ध राष्ट्रीय उत्पादन (Net National Product, NNP) है, और उत्पादन के साधनों के बीच इसी का वितरण किया जाता है। कुल राष्ट्रीय उत्पादन (GNP) में से कच्चे माल की कीमत, चल एवं अचल पूँजी का प्रतिस्थापन व्यय, अचल पूँजी की घिसावट एवं मरम्मत व्यय तथा कर एवं बीमा का व्यय घटा देने से जो बचता है उसे शुद्ध राष्ट्रीय उत्पादन कहते हैं। इस प्रकार,

NNP = GNP − कच्चे माल की कीमत + चल एवं अचल पूँजी का प्रतिस्थापन व्यय + अचल पूँजी की घिसावट एवं मरम्मत का व्यय + कर एवं बीमा का व्यय।

(3) National Income (NI) :- शुद्ध राष्ट्रीय उत्पादन (NNP) को वर्तमान उत्पादन के बाजार मूल्य के रूप में मापा जा सकता है। जब शुद्ध राष्ट्रीय उत्पादन को वर्तमान उत्पादन के बाजार मूल्य के रूप में मापा जाता है तो उसे बाजार मूल्य के रूप में राष्ट्रीय आय कहा जाता है। जब शुद्ध राष्ट्रीय उत्पादन (NNP) को वर्तमान उत्पादन के साधन लागत के रूप में व्यक्त किया जाता है तो उसे साधन लागत के रूप में राष्ट्रीय आय कहते हैं।

वर्तमान उत्पादन के बाजार मूल्य में से अप्रत्यक्ष व्यापारिक कर, व्यापारिक हस्तांतरित अदायगी तथा सरकारी उपक्रमों की बचत में से सरकारी सहायता घटाने से प्राप्त रकमों को घटा देने से जो शेष बचता है, वह वर्तमान उत्पादन के साधन लागत के बराबर होता है। इस प्रकार,

National Income (NI) = NNP − अप्रत्यक्ष व्यापारिक कर + व्यापारिक हस्तांतरित अदायगी + सरकारी उपक्रमों का वर्तमान अतिरेक अथवा बचत − सरकारी सहायता।

Scanned with CamScanner

(4) Personal Income (PI) :- एक वर्ष की अवधि में एक देश के सभी व्यक्ति या परिवार जितनी आय वास्तव में प्राप्त करते हैं, उन सभी आयों के जोड़ को वैयक्तिक आय (Personal Income) कहा जाता है। राष्ट्रीय आय से वैयक्तिक आय जानने के लिए, आय का वह भाग जो कमाया गया हो परन्तु वास्तव में प्राप्त न हुआ हो, राष्ट्रीय आय से घटा देना होगा और हस्तांतरित भुगतान जोड़ देने होंगे। इस प्रकार,

* [हस्तांतरित भुगतान - कुछ ऐसी रकमें भी उत्पादन साधन को प्राप्त होती हैं जिनके लिए उन्होंने कोई उत्पादन कार्य नहीं किया होता। उदाहरण - बुढ़ापे में दी जाने वाली पेंशन, बेरोजगारी का भत्ता (अलाउंस), सार्वजनिक कर्जे पर ब्याज आदि।]

Personal Income = राष्ट्रीय आय - सामाजिक सुरक्षा कटौती - निगमित पूँजी कम्पनियों पर लगाए गए कर - निगमित पूँजी कम्पनियों के लाभ का वह भाग जो शेयर होल्डरों में बाँटा न गया हो + हस्तांतरित भुगतान।

(5) Disposable Income (DI) :- व्यक्तियों तथा परिवारों के पास जो वैयक्तिक आय होती है, वह सारी की सारी उपभोग में नहीं लाई ~~जाती~~ जा सकती क्योंकि वैयक्तिक आय का एक अच्छा खासा भाग उन्हें वैयक्तिक करों (Personal Taxes) के रूप में सरकार को चुकाना पड़ता है और केवल जो भाग बच जाता है, वही उपभोग के काम में लाया जा सकता है। इस प्रकार,

Disposable Income = Personal Income - Personal Taxes
(उपभोग्य आय) (वैयक्तिक आय) (वैयक्तिक कर)

यह आवश्यक नहीं कि उपभोग्य आय का पूर्ण रूप से उपभोग ही कर ली जाए। व्यक्ति या परिवार अपनी आय का एक बड़ा भाग उपभोग करते हैं और शेष जो बचता है, वह बचत के रूप में रख लेते हैं, इस प्रकार,

उपभोग्य आय = उपभोग + बचत
(Disposable Income) = Consumption + Saving

Scanned with CamScanner

(6) Gross Domestic Product (GDP) :- किसी देश अथवा अर्थव्यवस्था में किसी दिये हुए वर्ष में वस्तुओं और सेवाओं की जो कुल माता उत्पादित की जाती है उसे कुल घरेलू उत्पादन (GDP) कहते है।

किसी देश में वस्तुओं एवं सेवाओं की जो कुल माता उत्पादित की जाती है, उसे पुनः उत्पादन के साधनों के बीच पारिश्रमिक के रूप में वितरित कर दिया जाता है। अतः कुल घरेलू उत्पादन के मूल्य को जानने के लिए उत्पादन के साधनों का पारिश्रमिक जाना जाए जिनका कुल योग कुल घरेलू उत्पादन के बराबर होगा। इस प्रकार,

कुल घरेलू उत्पादन (GDP) = मजदूरी एवं वेतन + लगान से आय + शुद्ध ब्याज + कम्पनियों के लाभ + अप्रत्यक्ष कर + मूल्य ह्रास अथवा विसावट।

— x —

Scanned with CamScanner

Q:- राष्ट्रीय आय को मापने की विभिन्न विधियों की व्याख्या कीजिए।

Ans -

Measurement of National Income

राष्ट्रीय आय को निम्नलिखित तीन विधियों से मापा जा सकता है —

(1) उत्पादन अथवा निवल-मूल्य वृद्धि की विधि (Production or Net Value-Added Method)

(2) आय विधि (Income Method)

(3) व्यय विधि (Expenditure Method)

(1) Production Method (उत्पादन विधि) :— इस विधि में अर्थव्यवस्था को विभिन्न भागों में बाँट दिया जाता है। ये विभिन्न भाग हैं — कृषि, खनिज उद्योग, निर्माण उद्योग, लघु उद्यम, वाणिज्य, परिवहन तथा अन्य सेवाएँ। प्रत्येक भाग या क्षेत्र में विभिन्न उत्पादकों द्वारा उत्पन्न वस्तुओं एवं सेवाओं को कीमतों के आधार पर मुद्रा मूल्य में परिणत कर लिया जाता है। तब कुल उत्पादन का अनुमान लगाने के लिए सभी क्षेत्रों या भागों द्वारा एक वर्ष में की गई उत्पादन मूल्यों में निवल (शुद्ध) वृद्धि (net values added) को जोड़ लिया जाता है। किसी विशेष फर्म द्वारा निवल मूल्य वृद्धि को मालूम करने के लिए इस फर्म में हुए कुल उत्पादन में से इस फर्म द्वारा अन्य उद्योगों या फर्मों से खरीदे गए पदार्थों के मूल्य को निकाल लिया जाता है। अर्थव्यवस्था के सभी उद्योगों और फर्मों में हुए निवल उत्पादन के मूल्यों के कुल जोड़ तथा विदेशी व्यापार से निवल (शुद्ध) आय को जमा करके कुल राष्ट्रीय उत्पादन (Gross National Product) ज्ञात किया जाता है। इस कुल राष्ट्रीय उत्पादन में से पूँजी में हुए मूल्य ह्रास (depreciation) को निकाल कर शुद्ध (निवल) राष्ट्रीय आय का अनुमान लगाया जाता है। राष्ट्रीय आय का इस प्रकार माप करने से उसके विभिन्न स्रोतों का पता चल सकता है। इसलिए इसको औद्योगिक स्रोतों के

Scanned with CamScanner

आधार पर राष्ट्रीय आय (National Income by Industrial Origin) भी कहते हैं। इस विधि से राष्ट्रीय आय मापने का सबसे बड़ा लाभ यह है कि इससे अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों के सापेक्ष महत्व का पता चल जाता है। राष्ट्रीय आय को मापने की इस विधि का प्रयोग वहाँ किया जाता है जहाँ उत्पादन गणना (Census of production) होती है।

(2) आय विधि (Income Method) :- राष्ट्रीय आय को मापने की दूसरी विधि 'आय विधि' है।

यह विधि राष्ट्रीय आय तक वितरण की ओर पहुँचती है। इस विधि में राष्ट्रीय आय का अनुमान देश के विभिन्न व्यक्तियों या वर्गों की आय को जोड़कर किया जाता है। व्यक्ति अपनी सेवाओं या अपनी सम्पत्ति या साधनों जैसे भूमि और पूँजी की सेवाओं का राष्ट्रीय उत्पादन में योगदान देकर आयों को कमाते हैं। इसलिए राष्ट्रीय आय का अनुमान भूमि का किराया, सभी प्रकार के कर्मचारियों की मजदूरी या वेतन, पूँजी पर ब्याज, व्यावसायिक निगमों के शेयरों से प्राप्त लाभांश (dividends), व्यावसायिक निगमों अर्थात् मिश्रित पूँजी कम्पनियों के अवितरित लाभ तथा अपना व्यवसाय करने वालों की आयों अर्थात् गैर निगमीय व्यवसायों की आय अथवा लाभ, निगमों पर लगाए गए आय कर तथा नौकरियों में लगे व्यक्तियों द्वारा अपनी आयों से की गई सामाजिक सुरक्षा कटौतियाँ (Social Security contibutions) जैसे कि प्रॉविडेण्ट फण्ड आदि को जोड़ कर किया जाता है। विभिन्न उद्योगों या फर्मों से जो उत्पादन होता है, वह सारा लोगों को आय के रूप में नहीं मिलता। उदाहरण के तौर पर सरकार उद्योगों के पदार्थों पर अप्रत्यक्ष कर लगाकर कुछ उत्पादन को मुद्रा के रूप में ले लेती है। इसलिए आय विधि से राष्ट्रीय आय का अनुमान लगाते समय सभी व्यक्तियों या वर्गों की आयों के कुल जोड़ में अप्रत्यक्ष कर जमा कर देने होते हैं। उपर्युक्त सब राशियों को अप्रत्यक्ष करों समेत जोड़ने से शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद (Net National product) का पता चल जायेगा

Scanned with CamScanner

आय विधि से कुल राष्ट्रीय उत्पाद (GNP) ज्ञात करने के लिए शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद में पूँजी की घिसावट अथवा मूल्यह्रास की मात्रा जोड़नी होगी। आय विधि से राष्ट्रीय आय का अनुमान लगाने का सबसे बड़ा लाभ यह है कि इससे देश के विभिन्न वर्गों, जैसे भूस्वामी, पूँजीपति, श्रमिक, आदि में राष्ट्रीय आय के वितरण का पता चल जाता है।

(3) व्यय विधि (Expenditure Method) :- राष्ट्रीय आय ज्ञात करने की तीसरी विधि व्यय विधि है। इस विधि में राष्ट्रीय आय का अनुमान सभी प्रकार की वस्तुओं तथा सेवाओं पर किये गए कुल व्ययों को जोड़कर किया जाता है। देश में जितना कुल उत्पादन होता है, उसे बाजार मूल्य पर खरीद लेने से जो कुल व्यय होगा, वह राष्ट्रीय आय होगी। उत्पादन का कुछ भाग तो व्यक्ति और परिवार उपभोग के लिए खरीदते हैं, कुछ भाग उद्यमी लोग विनियोग (investment) के लिए खरीद लेते हैं, कुछ भाग सरकार अपने कार्यों के लिए खरीद लेती है और कुछ भाग विदेशी लोग खरीद लेते हैं। अतः कुल राष्ट्रीय आय या उत्पादन को मालूम करने के लिए निम्नलिखित राशियों को जोड़ना पड़ता है :-

(A) वैयक्तिक उपभोग व्यय (Personal Consumption Expenditure)

वैयक्तिक उपभोग व्यय अर्थात्

1 वह सारा व्यय जो देश के लोग या परिवार अपने निजी उपभोग के लिए वस्तुओं तथा सेवाओं पर करते हैं। इन उपभोग की जाने वाली वस्तुओं तथा सेवाओं को तीन वर्गों में बाँटा जाता है — टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुएँ, गैर टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुएँ तथा सेवाएँ। गैर टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुएँ वे हैं जिनका ~~उपभोग~~ उपभोग अल्पकाल में ही हो जाता है, जैसे खाद्यान्न, पेय पदार्थ, कपड़ा आदि। टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुएँ वे हैं जिनका उपयोग दीर्घकाल तक होता रहता है, जैसे कार, टी.वी. आदि। सेवाओं में व्यक्तियों, जैसे कि शिक्षकों, वकीलों, डॉक्टरों इत्यादि द्वारा किये गए कार्य)

Scanned with CamScanner

(B) सकल निजी निवेश (Gross Private Investment) :- सकल निजी निवेश अर्थात् जितना व्यय गैर-सरकारी उद्यमी या व्यवसायी नये निवेश (new investment) पर और पुरानी पूँजी को कायम रखने पर करते हैं। निजी निवेश को भी तीन वर्गों में बाँटा जाता है — (क) निजी स्थिर निवेश (Private Fixed Investment) जो व्यय उद्यमकर्ता नई मशीनों, अन्य पूँजीगत साज-सामान पर करते हैं।

(ख) आवासीय निवेश (Residential Investment) - जो व्यय मकानों के निर्माण पर किया जाता है।

(ग) वस्तुओं के स्टाक भण्डारों में वृद्धि (Increase in stock of goods)

(C) सरकार द्वारा किये गए व्यय (Government Purchases) :- इसमें देश की सरकार जिसमें केन्द्रीय, राज्य तथा स्थानीय सरकारें शामिल हैं, के वस्तुओं तथा सेवाओं पर किया गया व्यय शामिल होता है। सरकार द्वारा किया गया प्रतिरक्षा (defence), पुलिस (Police) तथा विकास कार्यों (development works) जैसे कि सड़कों, नहरों, सरकारी उद्योगों की स्थापना तथा संचालन इत्यादि पर किया गया व्यय सम्मिलित होता है, किन्तु इसमें सरकार द्वारा व्यक्तियों के लिए किये गए हस्तांतरित भुगतानों (transfer payments) जैसे कि सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण (social security and welfare) पर किये गए व्यय को राष्ट्रीय आय में शामिल नहीं किया जाता, क्योंकि ये हस्तांतरित भुगतान वर्तमान आय का पुनर्वितरण मात्र हैं न कि वस्तुओं तथा सेवाओं के बदले में किये गए भुगतान।

(D) निवल निर्यात (Net Exports) :- निवल निर्यात अर्थात् देश का निर्यात आधिक्य (export surplus)। जितना व्यय विदेशी किसी देश की वस्तुओं और सेवाओं को खरीदने पर करते हैं वह उस देश द्वारा विदेशों से आयात की गई वस्तुओं और सेवाओं के कुल मूल्य से कितनी अधिक है। यदि निर्यात को X तथा आयात को M द्वारा व्यक्त किया जाए तो X−M निवल निर्यात को सूचक है।

यदि वैयक्तिक उपभोग व्यय को C, कुल निजी निवेश को I, सरकार द्वारा किये गए व्यय को G तथा निवल निर्यात को X_n द्वारा व्यक्त किया जाए तो, $GNP = C + I + G + X_n$

Scanned with CamScanner